DWSM–02

December – Examination 2022

Diploma in Watershed Management Examination

जल स्त्रोत प्रबंध में डिप्लोमा

(जल ग्रहण विकास गतिविधियाँ–आयोजना चरण)

Paper : DWSM-02

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए :

   (i) ऐबनी

   (ii) सिल्वी पेस्टोरल पद्धति

(iii) स्पिलवे

(iv) भू-क्षरण

(v) अपवर्तक नालियाँ

(vi) टांका

(vii) नेडेप कम्पोस्ट

(viii) स्टेगर्ड ट्रेंचेज

(ix) चरागाह विकास

(x) पौधों की ग्रेडिंग

खण्ड—ब **4×10=40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2. भारत में वर्षा का प्रतिरूप बताइए।

3. चेन सर्वेक्षण को समझाइए।

4. सहभागी सीख द्वारा समुदाय की भागीदारी कैसे सुनिश्चित की जाती है ?

5. समोच्च पर मेड़बंदी को समझाइए।

6. लवण प्रभावित मृदाओं के बनने के कारण बताइए।

7. लवणीय एवं क्षारीय भूमियों के पहचान के तरीके बताइए।

8. फसल अवशेष प्रबन्धन क्या है ?

9. चरागाह विकास कार्य कैसे किया जाता है ?

खण्ड—स **2×20=40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10. जल बहाव पर प्रभाव डालने वाले कारकों का वर्णन कीजिए।

11. राजस्थान में जल ग्रहण क्षेत्रों की जल भूमि सम्बन्धी समस्याएँ बताइए एवं संभावित कार्यनीति प्रस्तावित कीजिए।

12. पानी के कारण भू-क्षरण को रोकने वाली विधियों का उल्लेख कीजिए।

13. कृषि वानिकी कार्यक्रम को विस्तार से समझाइए।